सेवा और सृजन का संदेश देते विविध आन्दोलन

सांगली शाखा की बाढ़ राहत सेवाएँ

सांगली (महाराष्ट्र)

गायत्री परिवार सांगली ने कृष्णा नदी के उफान से आयी बाढ़ में राहत अभियान चलाकर प्रशंसनीय भूमिका निभाई। नगर गायत्री परिवार किया। परिणामत: सीमित समय में ही सभी गायत्री परिवार के साथ अपनत्व अनुभव करने लगे। अधिकांश भाई-बहिनों ने दीक्षायें लीं तथा अपने पुनरुर्स्थापित घरों में पूज्य

पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री के सेट वितरित करती बहिनें

कार्यालय के सामने स्थित सांगली कॉलेज में ठहरे लगभग १६ सौ आपदाग्रस्त नर-नारी, बच्चों के भोजन एवं चिकित्सा की व्यवस्था की तथा उन्हें वस्त्र सहित सहायता सामग्री के सेट प्रदान किये। कार्यकर्त्ताओं ने गायत्री यज्ञ, संस्कार, ऋषि चेतना के शास्वत संदेश से सभी को भावनात्मक पोषण भी प्रदान गुरुदेव-वन्दनीया माताजी के चित्र स्थापित करने का संकल्प लिया। विद्यालय की शिक्षिकाओं, शिक्षकों एवं कई अन्य संस्थाओं का इसमें योगदान रहा। सर्वश्री वीरेन्द्र भाई जानी, मनोहर सारण, हनुमान तोषनीवाल सहित नगर के सभी गायत्री प्रज्ञा एवं महिला मण्डलों का सक्रिय सहयोग मिला। ❋

वृद्धावस्था की समस्याओं का समाधान और लोक कल्याण

चित्रकूट (म.प्र.)

१० अगस्त को गायत्री शक्तिपीठ चित्रकूट पर पाँच दिवसीय वृद्ध समस्या समाधान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में गायत्री परिवार के मूर्धन्यों के अतिरिक्त चिन्मय मिशन के स्वामी प्रशान्तानन्द, अवधेश प्रतापसिंह वि.वि. रीवां के प्रो. आर.एस. सिंह, प्रेमनाथ सिंह, श्री बघेल साहब ने विभिन्न सत्रों में अपने विचार रखे और प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया। गायत्री परिवार के श्री रामनारायण त्रिपाठी ने वृद्धों की संवेदना, सेवा एवं समन से जुड़ी शांतिकुंज की वानप्रस्थ एवं परिव्राजक परम्परा की विशेष चर्चा की तथा उन्हें युगऋषि की सांस्कृतिक अवधारणा से अवगत कराया।

चिन्मय मिशन के स्वामी जी ने पाँच दिनों तक शंकराचार्य रचित साधक पंचक के बत्तीस सूत्रों की व्याख्या से समाधान सुझाये। डॉ. सज्जन सिंह ने वृद्धों के स्वास्थ्य संवर्धन एवं प्रो. आर. एस. सिंह ने मनोवेगों को नियंत्रित करने की वैज्ञानिक विधि पर प्रकाश डाला। श्री बघेल नित्य वृद्धावस्था से जुड़े योगाभ्यासों को कराते रहे। शिविर में प्रशिक्षण हेतु आये ६० बुजुर्गों ने समापन पर काफी भावुक होकर गायत्री परिवार के इस सकारात्मक कदम की सराहना की और सीखे गये सूत्रों से समाज के अन्य हमउम्रों को प्रेरित करने, गायत्री उपासना से जोड़ने के संकल्प लिए। सर्वश्री रामकृपा सिंह, के.के. त्रिपाठी, निर्मल सिंह, शरद सिंह आदि की सक्रियता सराहनीय रही। ✷

परस्पर सहयोग से सुख पाती प्रौढ़ पीढ़ी

मंदसौर (म.प्र.)

गायत्री परिवार ने अपने नगर में वृद्धों की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी कलेक्टर श्री हीरालाल द्विवेदी अपनी सभा-संगोष्ठियों में सराहना करते नहीं थकते। वस्तुत: उन्होंने ही भारतीय रेडक्रास द्वारा संचालित वृद्धाश्रम के बुजुर्गों की सेवा का मानस बनाते हुए गायत्री परिवार से उनकी नियमित सेवा का क्रम बनाने का अनुरोध किया था, जिसे परिजनों ने सहर्ष स्वीकारा।

नगर के २४ प्रज्ञा मण्डल बारी-बारी से प्रतिदिन वृद्धाश्रम में सेवा देते हैं। यज्ञ, प्रार्थना, भोजन व्यवस्था संभालने के साथ उनकी पीड़ा सुनने, आत्मीयता प्रदान करने के कार्य वे करते हैं। बुजुर्ग भी बड़े प्रसन्न हैं और हृदय से परिजनों को आशीर्वाद देते हैं। समग्र कार्य सेवाभाव से चलता है। भोजन-जलपान का नाम मात्र का व्यय ८.५० रु. प्रति व्यक्ति आश्रम संचालक संस्था से लिया जाता है।

रक्षाबंधन के दिन इस सेवाकार्य में जुटी सभी बहिनें वृद्धाश्रम पहुँचीं और पितृतुल्य जनों को बड़े प्रेम से रक्षासूत्र बाँधे। इस पारिवारिक वातावरण से वे द्रवित हो उठे, आँखें भर आयीं और हृदय से उभरते आशीर्वचन उनके मुख से निरंतर अभिव्यक्त होते रहे। ✷

हरीतिमा संवर्धन के प्रशंसनीय प्रयास

जे.पी. नगर (उत्तर प्रदेश)

जुलाई-अगस्त में गायत्री प्रज्ञा-मण्डल जे.पी. नगर द्वारा हरीतिमा विस्तार कार्यक्रम आयोजित हुआ। सर्वप्रथम डॉ. चंद्रहास जी के चिकित्सालय में एक गोष्ठी आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रथमा बैंक चलाया गया। ५०० से अधिक परिवारों ने लाभ प्राप्त किया। श्री हरिनगर कॉलोनी मंदिर परिसर में अमलतास, गुलमोहर, पीपल, कदम, कायफल, के पौधे लगाये। श्रीमती लक्ष्मी उपाध्याय ने अपने माता-पिता की स्मृति में अनेक

पौध वितरण एवं वृक्षारोपण करते श्री अनिल तोमर एवं साथी

शाखा मानकजूड़ी केलसा के प्रबंधक श्री अनिल तोमर ने की। इस अवसर पर उन्होंने गायत्री परिवार को वृक्षारोपण के लिए १०० पौधे उपलब्ध कराये। ८ एवं १५ अगस्त को इन्हें जनता इण्टर कॉलेज नन्हेड़ा, एम.सी.ए.उ.मा. विद्यालय एवं घनश्याम दास विद्या मंदिर कॉलेज में श्री अनिल तोमर एवं क्षेत्राधिकारी श्री राकेश शर्मा की उपस्थिति में रोपित किया गया। वृक्ष लगाये। श्रीमती कल्पना खण्डागले, श्रीबबूल शर्मा आदि की विशेष सक्रियता रही। अभियान की पूर्णाहुति गुरुपर्व पर हुई। ✷

इन्दौर (म.प्र.)

महिला मंडल महूगाँव की बहिनों ने पूरे माह जन जागरण अभियान चलाया। इस क्रम में ग्राम प्रदक्षिणा, गायत्री यज्ञ, दीपयज्ञ, पुण्य स्मृतियों में वृक्षारोपण, युग संदेश के माध्यम से नारी जागरण, बाल निर्माण के विविध पहलुओं की जानकारी देने का अभियान

व्यसनमुक्ति आन्दोलन के प्रगतिशील चरण

देव संस्कृति की छात्राओं ने गुरु-गौरव बढ़ाया

आँवलखेड़ा, आगरा (उ.प्र.)

प्रखर व्यक्तित्व एवं नेतृत्व क्षमता की धनी देसंविवि की छात्रा सुश्री सुजाता सरकार तथा साथी सीमा सिंह, संगीता गुप्ता, प्रियंका, पूनम ने जन्मभूमि गुरुग्राम आँवलखेड़ा में व्यसन मुक्ति का शानदार आयोजन कर क्षेत्र में अपनी गुरुसत्ता का अपार सम्मान बढ़ाया। इन छात्राओं की प्रेरणा से लोग अपनी बीड़ी-सिगरेट फेंकते दिखाई दिये। **गायत्री शक्तिपीठ के समक्ष जहाँ नशेड़ी के पुतले का दहन हुआ, वहाँ एक ठेले वाले ने बीड़ी-सिगरेट, तम्बाकू, गुटका आदि न बेचने का संकल्प लिया और उसी शाम से ऐसा सारा सामान हटा दिया।** पूज्य गुरुदेव के २१ वीं सदी-नारी सदी के उद्‍घोष को चरितार्थ होता देख इन बहिनों के प्रति गाँव वासियों का सम्मान भी बढ़ गया।

रैली में लगभग ४०० लोगों की भागीदारी रही। इसमें ४० दिवसीय साधना सत्र के शिविरार्थी, ४ दिवसीय साधना सत्र के प्रतिभागी, प्रशिक्षकगण एवं गाँववासियों की भागीदारी रही। गाँव के २०-२५ युवकों ने बड़े उत्साह के साथ सहयोग दिया। नशेड़ियों के पुतले एवं एक नशेड़ी की शवयात्रा रैली के प्रमुख आकर्षण थे। जगह-जगह सभाएँ हुईं, लोगों को व्यसनों की हानियाँ समझायी गयीं। ग्राम परिक्रमा के बाद गायत्री शक्तिपीठ के समक्ष चौक में नशेड़ी के पुतले का दहन किया गया। सभी गाँव वासियों ने प्रेरणा पायी। शक्तिपीठ व्यवस्थापक श्री जसवीर सिंह ने रैली का संयोजन किया। ✷

प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

भिलाई नगर (छत्तीसगढ़)

गायत्री साधना केन्द्र, ग्राम रिसाली में एक दिवसीय व्यसन मुक्ति शिविर का आयोजन दिनांक १४.८.०५ को सम्पन्न हुआ। इस शिविर में श्री प्राणेश विश्वास ने शिवरार्थियों को व्यसन मुक्ति आन्दोलन की रूपरेखा बतायी एवं क्रियान्वयन विधि का प्रशिक्षण दिया। विभिन्न स्थानों से पधारे लगभग ५० परिजनों ने इस शिविर का लाभ लिया। कार्यक्रम का संचालन व्यसन मुक्ति प्रकोष्ठ प्रमुख श्री टीकम चन्द्राकर, रिसाली ने किया। शिविर को सफल बनाने में सर्वश्री कृष्णकुमार, विनोद, गिरधारीलाल, पृथ्वीपाल, डी.एल. साहू, श्रीमती डॉ. कुन्ती साहू आदि का विशेष सहयोग रहा।

रचनात्मक प्रकोष्ठ भिलाई नगर द्वारा अगस्त माह में ग्राम रक्षमड़ा तथा ग्राम अण्डा में बाल संस्कार शालाएँ आरंभ की गयीं। आचार्य श्री जगन्नाथ यादव तथा आचार्य डॉ. सिन्हा क्रमश: इन संस्कार शालाओं का संचालन कर रहे हैं। ✷

सहस्र प्रेरक का सम्मान

हल्दूचौड़, नैनीताल (उत्तरांचल)

गायत्री शक्तिपीठ हल्दूचौड़ में रक्षाबंधन एवं श्रावणी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अल्प समय में ही अखण्ड ज्योति एवं युग निर्माण योजना पत्रिकाओं के १००८ सदस्य बनाने वाली श्रीमती राजकुमारी सोनी ने अपने विशिष्ट अभियान की पूर्णाहुति की। परिजनों ने उनका तिलक, पुष्प वर्षा एवं वेदमंत्रों के साथ उज्वल भविष्य की कामना करते हुए विशेष सम्मान किया।

श्रीमती राजकुमारी सोनी बसंत पर्व पर गायत्री शक्तिपीठ हल्दूचौड़ पहुँचीं और प.पू. गुरुदेव का सहयोगी बनने की अभिलाषा व्यक्त की। शक्तिपीठ के भाईयों ने सुझाया कि वे ज्ञान यज्ञ की मशाल थामकर पत्रिका विस्तार करें। श्रीमती सोनी ने संकल्प लिया कि २००५ के दिसम्बर तक वे १००८ पत्रिका सदस्य बनायेंगी। उल्लेखनीय है कि उस दिन से पूर्व केवल उनके घर पर ही पत्रिका आती थी। संकल्प को पू. गुरुदेव की अनुकम्पा का बल मिला और निश्चित समय से पूर्व ही उनके १००८ सदस्य बन गये। श्रीमती राजकुमारी सोनी अब तक ७०० सदस्य अखण्ड ज्योति व ३०० युगनिर्माण योजना के सदस्य बना चुकी हैं। उनके पति सेंचुरी पेपर मिल लालकुँआ में इंजीनियर हैं।

नशामुक्ति परामर्श केन्द्र पर संगोष्ठी

बलरामपुर (उ.प्र.)-श्रीराम व्यसन मुक्ति आन्दोलन समूह बलरामपुर की ओर से नशामुक्ति अभियान के तहत २१ जुलाई २००५ (गुरुपूर्णिमा) को 'नशामुक्ति परामर्श केन्द्र' की स्थापना की गई। इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कई नशेड़ियों ने अपने नशीले पदार्थ नशा छोड़ने के संकल्प के साथ भेंट किये। मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित इस केन्द्र पर प्रात: ९ बजे से सायं ५ बजे तक प्रत्येक रविवार नशामुक्ति हेतु परामर्श दिया जाता है। ५९ वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर इसी केन्द्र परिसर में एक गोष्ठी रखी गई, जिसका विषय था- हम अपने देश व समाज को नशामुक्त बनायेंगे। समाचार पत्रों ने भी इस गोष्ठी को महत्त्व देते हुए समाचार प्रकशित किये। इस गोष्ठी से नये कार्यकर्त्ता भी जुड़े, जिन्होंने प.पू. गुरुदेव के नशामुक्ति अभियान में तन-मन, धन से सहयोग देते रहने का संकल्प लिया। ✷